

2167 I

इकाशा॥ नैश्या आरु सुनायवा काशा॥ नैश्या मरु नाविका यडां मुं कलाधि सौ सौ मे
 मा विमुद साकिना यय कनि यव रदो मरुद द काशा॥ नैश्या वि अ धा र म यो वा म
 रवी वरु वया यरु म मया धि का का का अनाहन का किनी य गु प य वी वि श्वान द द वया
 इकाशा॥ नैश्या का का व व व गि र व व व सु वि लो नो नु नु म पि युर क ला किना य म हा य
 वी रु पि सा न द द व या इ का शा वि श्या क डि का य क ल दी य य य डी मु या द धि ना नो मु य
 सा वि म्म न ना किनी य य र नी अ न गृ हा सा न द द व या इ का शा नैश्या मारु ग व नि ह
 ल म ला य का नै उ व ना वि गे र डी अ अ धा व ज किना य म न य री मि ना नै र दे व या इ का शा
 नैश्या कि नि र वि व का क ना य ड र व ग ला धि र डी र डी आरु हा किनी य धि य री शा अ
 र व पु सा न द द व या इ का शा नैश्या यो य य ल ला र य रू पा य री शा को ली शा न द द

व या इ का शा वि मुदं य व का न ड ने म यो ड अ ना ह न म नि य व क वा य सा धि म्म न नु
 श का आ धा व अ ग्नि य स्थे व आरु य धि म ड य न दा द श य न य व वि दि शु द्धा दि आरु
 रू क ॥ ५ ॥ य रू पी स हि म य रू ज नी ॥ ० ॥ नैश्या म ना नु मा य या इ का शा नैश्या धि नी या इ
 का शा नैश्या वि य ल्मा ला य या इ का शा नैश्या र्थि ग ला य या इ का शा नैश्या धि नी या इ का
 शा नैश्या म रु ना य या इ का शा नैश्या नि मा हा य या इ का शा नैश्या नि वि का रा य या इ का शा नै
 श्या मि ला ल म्मा य या इ का शा नैश्या नि व र ना य या इ का शा नैश्या सा म्मा य या इ का शा नैश्या
 म हा व ला य या इ का शा नैश्या वा ध य या इ का शा नैश्या वा ध य या इ का शा नैश्या ली ला य या
 इ का शा नैश्या ली ला य या इ का शा नैश्या र ला य या इ का शा नैश्या नि ला म या य या इ का शा
 नैश्या क डि का य शा क डि का नै द व या इ का शा नैश्या मि ना य शा मि ना नै द द य या इ का

वैष्णवकथिकायमथानंददंवयाइका॥वैष्णवकुलायवार्थानंददंवयाइका॥यूवैवकुदल
वीनयुस्सनडा॥०॥वैष्णवकुलायथडुगानंददंवयाइका॥वैष्णवसिद्धायशिवा
नंददंवयाइका॥वैष्णवलक्ष्मयविमलानंददंवयाइका॥वैष्णवकुलमंदरायलाकानंदद
वयाइका॥दक्षदलकुसुयस्य॥०॥वैष्णवकायडरुमानंददंवयाइका॥वैष्णव
सनायथडरुवानंददंवयाइका॥वैष्णविकवायअरुयानंददंवयाइका॥वैष्णव
निललाननाअकुलानंददंवयाइका॥डरुवदलवकयस्य॥०॥वैष्णवगायशुक्लानंदद
वयाइका॥वैष्णवमनाझादाययवानंददंवयाइका॥वैष्णवनायलयानंददंवयाइ
का॥वैष्णवमाहनायविकुयानंददंवयाइका॥वैष्णवमंदलसमयस्य॥मुलमण॥

कावदिद्युया महादवा निजिक नय नयक मदिवाने दनेदिता ॥ वृवना खनवधुलिहि
मकलु नु मेदिन ॥ यसनवदन सोम विरुधन निवाक ॥ दिवयतन कल सुरु कलु कलु
लमपुता ॥ नालमय समय कवका ॥ निवाक ॥ ॥ इका कलाल बोदे वरु निवपुल
विन ॥ ॥ वरु लालवदन कयाल कल सव ॥ निमाय वारु वरु कया गवण समय ॥ मदीक
कि वणा सासा दिवाने समय ॥ नाना वतन मा ॥ यकलु कलु ललु विमा ॥ माहादी ये मने जा
यी किवादी मकल कला ॥ दिवाने मया माला कलु मया विनाउने ॥ वदमा ला जि वादया
कलु वा वल मिनी ॥ द्वादशाई उजा य नाना लका वमपुन ॥ विपुल कलु विपुल वद किल
नदि वाउने ॥ दय नख ठक काद्य वाममा अये लावना ॥ अशु काला नले दी कल ललिदान सुद

सह ॥ वकासन गता दद्या यद्य सायदिसै मिता ॥ यद्यध सुखा हायने बोद वरु ये कवे ॥ उद्वेवाक
महा नंद दिवाने न निवाक ॥ दिवय वरु वरु नंद वी नाना यस्या यसा रिता ॥ दी वामाला महा
सा ॥ मावु वरु मय गा ॥ वरु रुजा महा दवा विन जाक सव ॥ वरु रुक वरु नंद वी वरु
दा लाद्य सै युगा ॥ नाना वतन मसी यना दिवमाला विह विमा ॥ उद्या गाजा निरादी युना ना
वृध मना हया ॥ सुख वाहन मावु हा यद्या सु वा मी ॥ विपुया दल लय रुक वाद वरु वरु
शध नंद माल जाकि निवने कि कव ॥ वरु रुक ॥ मा रुय मी महा उद्या गा निमा ययि वरु
निव ॥ ॥ यो वामहा दवी सर्वे कामार्थ साधनी ॥ यूजनी याय यतन अलिह शुदिहिक
मा ॥ मावु मू नं ॥ नंद मया गा वरु वरु ॥ वरु रुक यथ वाद वी युजि मा सर्वे काम

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १० ॥
 श्रीलक्ष्मणाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीसिते नमः ॥ १२ ॥
 श्रीहनुमताय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीगौरीय नमः ॥ १४ ॥
 श्रीकल्याणाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीसुखाय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीसौख्ये नमः ॥ १७ ॥
 श्रीमङ्गलाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीशान्तिाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीवैष्णवाय नमः ॥ २० ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ २ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ३ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ४ ॥
 भीष्म उवाच ॥ ५ ॥
 धर्म उवाच ॥ ६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ७ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ९ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १० ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ११ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १२ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १३ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १५ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १७ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १९ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ २० ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १० ॥
 श्रीलक्ष्मणे नमः ॥ ११ ॥
 श्रीबाले नमः ॥ १२ ॥
 श्रीहनुमते नमः ॥ १३ ॥
 श्रीसूर्याय नमः ॥ १४ ॥
 श्रीचंद्राय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीशुक्राय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमङ्गलाय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ १९ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ २० ॥

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript fragment. The text is written on aged, yellowed paper and is arranged in approximately 12 horizontal lines. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or a related language. The paper shows signs of wear, including creases and discoloration.



2167 I.

[illegible][illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is written in black ink on aged paper and appears to be a continuous passage, possibly a chapter or section heading, given the large initial letter 'ॐ' (Om) at the beginning.

[illegible]

[illegible]

२३३३ श्रीरविवरवाच ॥ कथयत्वमालनीदयनिर्मलमलनासनाज्ञानसंक्रियरुदवा
वदिसंनरुदद्वनी ॥ उननीसर्वेहानासंनभासिचवसिगा ॥ मातावीवलीदवीकाक
न्यकुचवसले ॥ उयतिवरमतवनिचानिपटुतिहामयानिशृतायुक्तकयायराज्ञा
नशाक्रितमिसाकिया ॥ शुद्धययासुभयापुनःसकनागदवममुंलाकारकया
पुहुनोदशाक्रिसंगीयस ॥ असनाधातिक्रयासकयाशिवाअवववामावपाडी ॥
मनाज्ञाविकाविन्दकयावधुगाद्वेचडाकितिल्लिकीना ॥ अउमकानकावनकावसं
थाहुयंरत्वमायद्यन ॥ कलकयासकयारुगाकाववसायेनी ॥ आदिरुःकांनरुका
हवाथानिक्रयासकया ॥ श्री०सीभादनीरुदमाताकथानकाशाकि ॥ सीसूआणिमू ॥

हिसावेटी ॥ ज्ञानरुगादिथाभाभिकास्तनरुगादनाइवानरु ॥ ०४संक्रिसयाभिका
नृगहीसकनादिभ ॥ त्वमहासनसंक्रिनाथाउशाकायनाविन्दसंदादनी ॥ स्यंदद
हयुताभरसंमयकयनाज्ञानन्दनिचानशाखयुदलेरवाकवाद्यानकाजानुसकेयना
मालनारुदमालादिनरुदशाकि ॥ रवगीसिद्धिया ॥ गधनी ॥ सिद्धिमाताविन्द ॥ शाहुना
सीतिथन्यावुवी ॥ वाग्यशुद्धाशिवासिद्धिवा ॥ गधनी ॥ मातृकार्केतुमिच्छाकियामर्मला
सिद्धिलक्ष्मीविरुगिसंरुगि ॥ मूहलिगेति ॥ शास्त्रगीख्यातिनानायनी ॥ नरुवणुवना
लेखनाहामकयाभक्षकभाथागयिया ॥ रजयंरुकादिगाकदसीभादनी ॥ त्वनवात्मान
देदेवस्यावासधवाना ॥ ०४मनुमागीनु ॥ नमाहृतिवीनयानानुचके ॥ शुरुकेवसुद

श स ॥ द्विविद्यमृते दिवा या नासवमुक्तं काल कायालि ना ॥ क भदि उमत्रि उमव
तुयंचयदा य उभा उव ॥ सु उ ना नं शु रः क लु ये न य भम उ मा स म्पि य ॥ य न विद्याः
व ती श्रि रि मु मु के का वाल रि दि व व चा नू रु ॥ मनु न म म्क न उ का व सा दा स धा का नः
वा ष ट व य ट का न रु का न रु ट का न जा कि रि न त व म म्क क गी वा नि रि वा म ट क म्क म ॥
मा क नू ज व ली जा य रिः सा द को यु उ के मा रु रि मु लु ले दा क न था गि ना रु रु म ला
प को रु ट की ज ल म यु उ म था गि ना था ग रि दि यु दे ॥ दे वि ल य द्य य ना य म ली व न
ः श्री रु य ॥ लु रु सं य स्य म ॥ त स्य दि वा क नि रु रि ता स य था ताल स र्व व ना ॥ रि दिः
न वा रु ता व रु के रु के ना य ॥ य १० ३ ७ कं ७ क कालं रि का लं रि का लं शु वि ८ स नः

न यः स य मा न व ॥ सा पि वा ना गि म म्क लु व य व ता ॥ गे पि स र क म द वि प व न रा
गा म दा ल श्रि पि य ॥ द म वी ना ना य ना न र के शु व दा द्य ॥ गा द्या म दा दा य ड द्या वे
म वा रि स म्क ल द वि ल दा य म्क र्व यु लु व ला न का र ॥ म्क र दि वा मा नि वा स रु लु
लो रु रि ग लु रु ल ॥ य च व वा रु रु व न न गि या श्री रु ता व ध या दा रि ल र्वा वि ल
ना म र्क को रु ना द वि म्क रि था र्म म हा वा पि रि ॥ स म्क ल य या दा र दि रु द य ना
म दा का नि का ला गि म रु य रु ॥ रु न्द ॥ गा वि रु व रु रु व रु रु रु य द्या य द्वा ॥ मा लि मा
ला लि स ल रु कि रु रु स म्पि उ न ॥ स र्व वी ना म्पि रु रु वी रु रु व रु स र्वा ग गी रु
रु म म्क य ना र्थ शि व ॥ १ ७ व रु ल्या म दा दे वा रु रु व न म दा ल ना ॥ रु ता लि गी वि नि गी

नादृष्टि कसंघट्टा गुणाष्टक समन्वित ॥ सुलसूत्र संकट धर्माधिर्मयूढ
काञ्चोकावणक तर्हि शिष्टो नैनादविगद ॥ यनायनयन शुद्ध तनी शास्त्र न कुर्व
सर्ववर्षु धनोदवी सुहृन्ना न वावलिता ॥ उगतस्तु वलादवी संवर्त्तयैथवदेना
असनीनमदमाय सैसाभुवतावणी ॥ अयावेविदया ववजय नीत्रायनादि
ना उमुकनाक्रमधुस्तु नमस्तु पायभावनी ॥ ववभाककनादवी धाठगा कावव
स्तुता अमनीशकीमूलनमस्तु वादे समुन्वित ॥ उमनी ॥ गौरीमायार्थ उवव
हिनी ॥ स्वसदरेनवीदवीका पवाउमले रै ॥ वी ॥ पक्षी स्वर्णुपक्षु यातु
दयकोलिता ॥ अमुताथ्युतुगु ॥ नमः कायालिनाशि व ॥ उतुं कनीम

रुमायनमस्तु नरे रवी ॥ उदष्टा कठविष्कृडि रूतावका कीरुयानन ॥
नमामिदवदवेसि कुद्या रंथो वरुयिनी ॥ का लामुखाव जवनी उमादवी
नभासुत ॥ यागिनीवेष्टि थादवी ॥ गौरी लक्ष्मी सवर्णनी ॥ दं सवा ॥ गध्वनी
दवी ॥ गामुखा शकिमालनी ॥ काष्टा अष्टु रुगादवी उ गौ कात्यायनी तथा
नित्यकिनासमाख्या गावक वका रुवायना ॥ वाही मादध्वनी ववकी मागी वषुवा
तथा ॥ वीरादी ववमादवी वामुष्टु रूयानना ॥ या ॥ गौरी लक्ष्मी देवसि कुलाष्ट
क समन्वित ॥ उन्दी ववकुद्या ॥ ग्र्यायाभान कय वातुली ॥ वायवी ववकी व
नी नशा न्य समुच्चहता ॥ यया गावतुला का ला अट्ट हा साकयनिका ॥ वरिगः

कामुका । श्रुवदवाकाष्टुवाष्टुमरुताका लीडमादवीदवदृता नमस्कृतं
 रुड का लीमहादवीवानुष्ठुवरुथावहामहाकुष्मा ममहासासनसमस्तः
 यावमावनेरुनुस्वस्वा नदयायवृकृणानि न आह्वानि । लामहामाथ प्रतः
 हित्वाचदवतिज्ञाकि दय । थ नं तातु तिसं । धावैवमानयान्वतिवितिकेका
 श्रुतिनारुवतिवलरु ॥ ॐ ति शिवसस्त्रिसमव समहामाया रुवतातु समाफ
 ॥ ॐ रुमस्तु सर्वदा ॥ सन्तु ॥ २२ माद्यैव दि ॥ वरुं म्या यांति । धी ॥ अ नू ना धनक
 ॥ रुवतातु सामवा सव । तद्विवस । लिखित संघु लु दिन ॥ ॐ रु ॥ शर्मदि ॥

श्री इयज्ञसकस्या । धेन ॥ लिखितव्यं ॥ लेखक वंताय सन जिन कितरु । धा सन
 नति ॥ यथा दृष्टुक्त ॥ लिखितं लेखिका नास्ति दाव । यदि ॥ ॐ इमं ॥ ॐ रुमस्तु ॥
 धनाय महद्दु । धे ॥ ० ॥ ॐ रुमस्तु ॥

१ मालनीत्या सयाहायाः ॥ ग ॥ दध्या दियानकनास ॥
 २ मद्रुना सियासयाहायाः ॥ श्री ॥ दध्या दियानकनास ॥
 ३ गन्धियाया रुलः ॥ मद्रादवधलाकनास ॥
 ४ मद्रावमलुनन्या सयाहायाः ॥ मद्रावा दियानकनास ॥
 ५ वट्टमीमलुनन्या सयाहायाः ॥ सक रुय ॥
 ६ वलपथी कनन्या सयाहायाः ॥ सा कसेनाय नासन ॥

१ नका रुनीत्या सयाहायाः ॥ मद्रासमिथनास ॥
 २ विविद्यानन्या सयाहायाः ॥ मद्राया रुकनास ॥
 ३ धाविकाष्टकयाः ॥ वक्रुदध्या दियानकनास ॥
 ४ ॐ तिषाहा न्या सयाहाया रुल इथा ॐ रु ॥

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page from the Bhagavad Gita. The text is written in black ink on aged paper and is organized into approximately 10 horizontal lines. Some words are highlighted in red ink.

नंदी श्री भू भू ॥ मृदु यो ॥ अथ इग्न भाष्यादि ॥ स्नान नंदी ॥ कलिकल यथादि
 नंदी श्री गुर्वे स्था यादु का ॥ अथ पुम पुला का व व्या र्क जन व रा व र्क न ल्य दं द शि
 न ॥ न न सो श्री गुर्वे व न मः ॥ गुर्वे न म स्का व ॥ नंदी यथा स्न यादु का ॥ नंदी यथा
 स्न यादु का ॥ नंदी कृ मा स्न यादु का ॥ स्न आ स्न ॥ नंदी कि लि श वि श्व का क नाथ दः ॥ अ स्ना
 य रु ह यादु का ॥ ला दे ली ॥ नंदी नंदी रु ह व ड य ॥ नंदी नंदी रु ह व ड य ॥ नंदी नंदी रु ह व ड य ॥
 म व ले डी रु ह व ड य ॥ नंदी कि लि श वि श्व का क नाथ दः ॥ आ स्ना य रु ह ॥ क वं शु
 दि ॥ नंदी नभारु गु व नि ह क म ला ये डी श्री रु ह याथ यादु का ॥ नंदी नंदी रु ह याथ यादु का
 ये रु ह दि याथ ये डी श्री शि व स यादु का ॥ नंदी नंदी रु ह व ड य ॥ नंदी नंदी रु ह व ड य ॥

नभाशिवशक्ति कलसयुजनः॥ आवावसकथयादि॥ यद्वासाययादका॥ व
षास्रयादका॥ ध्यान॥ शुद्धयुद्धिकसंकाशं विभवं ददुमोलिक॥ वरदासुय
हस्तं वमडामालाधवंदव॥ नवधात्वामदादवं॥ कृष्णामार्थसिद्धिद॥ अद्यान
वद॥ मूलमंत्र॥ स॥ ह॥ वृद्धननम॥ बुदायनम॥ स्वयायनम॥ सदाशिवकथ
नम॥ हंसः अमृगिसायमयुजयायनम॥ यज्ञायनम॥ मार्गशिवद्वारमाश्रया
नम॥ १२॥ आनंदनम॥ सम्वत्कलायनम॥ कावादिसकसागवस्थानम॥ अद्वि
कयालस्थानम॥ आदिगनगदादिदवस्थानम॥ अश्विन्यादिअष्टाविंसतिनक
स्थानम॥ २॥ विष्णुसुहसिसकविंशतियागस्थानम॥ २॥ यदि यदादिपदद

तिथिस्थानम॥ १॥ अथादिद्वादशाशिवस्थानम॥ २॥ मङ्गलस्थानम॥ गंगादि
सकसागवस्थानम॥ अस्वस्त्युसादिस्थानम॥ वशिष्ठादिसकसागस्थानम॥ अर्जुनादि
अष्टकलनागस्थानम॥ संपादनम॥ विद्याकलायनम॥ निवृत्तिनम॥ प्रमिता
यनम॥ ह॥ कलवृद्धमहासनसंभाहनसकलनीर्थमृगदवताकलान्तवर्गवा
धियनयवृद्धाविष्णुवृद्धालनआत्मविद्याशिवनवायह॥ आनन्दशक्तिविरानंद
विराधिकथस॥ शास्युर्धुकलसाययादका॥ वलि॥ अद्याय॥ आवाहनादि॥
धनम॥ ॥ कुरुयुजन॥ वृद्धयद्यास्रयादका॥ सिंहासनयादका॥ मूलमंत्र॥
ह॥ स॥ वृद्धान्यादि॥ अश्विनाङ्गलववायनम॥ वृद्धववाय॥ वृद्धववा

यशः॥ क्राधरे ववायशः॥ दुन्मलरे ववायशः॥ स्त्रवणरे ववायशः॥ मंडावरे ववायशः॥
 कयालरे ववायशः॥ अधावाशुणः॥ षष्ठं ग॥ मावाह॥ अधावाशुनवलि॥ आवाहना
 दियानिमूडा॥ जाय॥ स्त्रवण॥ ववाय विसलनीधरिलनयुष्मिन्नुयल्लवयसा निरुष
 यमाला॥ क्राधरे ववायशः॥ विषयमनिरिसमस्तर्वाकृष्णमूर्तिः॥ शिवः॥ कियुगज्जगामि॥
 वधुभार्यहवतगर्नकावरुवावियुष्मसानुस्त्रावधिरुवनयुवत्वं ववुमूयसिद्ध
 नमर्तुनूकितिलयाकालयित्वागदवृषाड्डं अगववनायननामपयाड॥ ॐ ति
 गिवशकि कलंशायजनः॥ ॐ ॥ निशुद्धिपूजा॥ ॐ अयश्चास्त्रायनमा॥ ॐ श्रीस्वगुव
 रूषीसानन्ददवयादकाश॥ ॐ श्रीयवमगुववयानन्ददवयादकाश॥ ॐ श्रीयः

वमस्त्रगुवमिगानन्ददवयादकाश॥ ॐ श्रीनिशुद्धिरुद्राविकाथयादकाश॥
 वलिगुद्रस्त्राह॥ आवाहनादि॥ वनूमडा॥ ॐ दशयम॥ ॐ निशुद्धिः॥ ॐ अ
 सुयद्रुह॥ कवसाधन॥ ॐ श्रीअगुष्टाय॥ ॐ यादकाश॥ ॐ श्रीमर्दनायादकाश॥
 ॐ श्रीमथेमाययादकाश॥ ॐ श्रीयः॥ अनामाययादकाश॥ ॐ श्रीयः॥ कनिष्ठाययादका
 ॐ श्रीयः॥ कवनलाययादकाश॥ कवन्यास॥ ॐ श्रीहृदयाययादकाश॥ ॐ श्रीयः॥ शि
 दकाश॥ ॐ श्रीयः॥ शिखाययादकाश॥ ॐ श्रीयः॥ कववाययादकाश॥ ॐ श्रीयः॥ नम्रुययाय
 दकाश॥ ॐ श्रीयः॥ अशुययादकाश॥ अशुन्यास॥ ॐ श्रीयः॥ शिखाशुनयादकाश॥ ॐ श्रीयः॥
 वस्त्रनयादकाश॥ ॐ श्रीयः॥ ललाटयादकाश॥ ॐ श्रीयः॥ वक्रयादकाश॥ ॐ श्रीयः॥ हृदयया

इका॥ वै॥ वै॥ ना॥ या॥ इका॥ वै॥ वः॥ शु॥ द्या॥ इका॥ वै॥ यः॥ ज्ञा॥ ना॥ या॥ इका॥ वै॥
 दुः॥ पा॥ द॥ द॥ य॥ या॥ इका॥ वै॥ ह॥ न्या॥ स॥ रु॥ हा॥ व॥ का॥ य॥ या॥ इका॥ न॥ वा॥ त्मा॥ न्या॥ स॥ ० ॥ आ॥ म॥
 आ॥ धा॥ व॥ श॥ क॥ त्या॥ दि॥ वै॥ य॥ ज्ञा॥ स॥ ना॥ य॥ या॥ इका॥ न॥ वा॥ स॥ ना॥ य॥ या॥ इका॥ ध्या॥ न॥ वै॥
 स॥ न॥ स॥ व॥ मू॥ श॥ द॥ श॥ व॥ कु॥ नि॥ ला॥ व॥ न॥ य॥ व॥ लु॥ श॥ म॥ हा॥ दी॥ क॥ स॥ व॥ ल॥ क॥ ण॥ स॥ य॥ न॥ म॥ द॥ लु॥
 यु॥ व॥ व॥ कु॥ द॥ कि॥ ण॥ क॥ पु॥ सा॥ लि॥ न॥ ड॥ रु॥ व॥ यो॥ न॥ व॥ लु॥ स्या॥ रु॥ द॥ व॥ व॥ क॥ व॥ डि॥ ग॥ न॥ रु॥
 स्या॥ द॥ कि॥ ण॥ धू॥ म॥ स॥ व॥ म॥ रु॥ व॥ म॥ व॥ व॥ म॥ द॥ द॥ यो॥ न॥ व॥ लु॥ श॥ यो॥ न॥ स्या॥ क॥ पु॥ द॥ कि॥ ण॥ व॥ क॥ म॥
 रु॥ व॥ मि॥ त्या॥ क॥ न॥ द॥ द॥ स॥ न॥ म॥ रु॥ म॥ अ॥ द॥ श॥ रु॥ जा॥ द॥ व॥ क॥ व॥ धा॥ दा॥ व॥ सा॥ लि॥ न॥ ख॥ रु॥
 रु॥ क॥ ध॥ व॥ च॥ व॥ नि॥ शू॥ ले॥ जं॥ कु॥ श॥ रु॥ धा॥ शू॥ न॥ क॥ म॥ धु॥ ल॥ श॥ रु॥ उ॥ म॥ व॥ व॥ द्वा॥ क॥ म॥ व॥ व॥ वा॥ न॥ व॥

रु॥ म॥ सी॥ यु॥ क॥ उ॥ व॥ शु॥ द्या॥ ण॥ श॥ सा॥ लि॥ न॥ व॥ क॥ श्रे॥ व॥ ग॥ दा॥ या॥ नि॥ व॥ व॥ दा॥ रु॥ ये॥ या॥ नि॥ न॥ वा॥ द्य॥
 वि॥ द्य॥ य॥ व॥ च॥ व॥ ना॥ ना॥ ले॥ का॥ व॥ सा॥ लि॥ न॥ स॥ व॥ यो॥ रु॥ व॥ द्वा॥ धू॥ मा॥ स॥ न॥ मू॥ ख॥ स॥ श्चि॥ ण॥ व॥ व॥ व॥ य॥
 न॥ वा॥ त्मा॥ न॥ म॥ धु॥ ल॥ श॥ रु॥ म॥ धु॥ ल॥ ध्या॥ य॥ य॥ क॥ पु॥ श॥ रु॥ म॥ ध्या॥ कि॥ य॥ सि॥ ध्वा॥ नि॥ मा॥ न॥ व॥ श॥ ध्या॥ न॥
 वै॥ श॥ रु॥ आ॥ न॥ न॥ द॥ श॥ कि॥ रु॥ व॥ वा॥ न॥ न॥ द॥ वि॥ वा॥ धि॥ य॥ य॥ म॥ ध्या॥ या॥ द॥ का॥ म॥ ध्या॥ ग॥ ण॥ धू॥ जा॥ न॥
 रु॥ म॥ ध्या॥ इ॥ म॥ हा॥ यु॥ जा॥ गु॥ न॥ म॥ धु॥ ल॥ श॥ रु॥ वि॥ का॥ य॥ या॥ इ॥ का॥ म॥ ध्या॥ वै॥ श॥ रु॥ म॥ ध्या॥ म॥ हा॥ यु॥
 जा॥ गु॥ न॥ म॥ धु॥ ल॥ श॥ रु॥ या॥ द॥ का॥ वि॥ का॥ न॥ द॥ रु॥ वै॥ श॥ रु॥ द॥ य॥ व॥ म॥ ध्या॥ गु॥ न॥ म॥ धु॥ ल॥
 श॥ दी॥ वा॥ या॥ द॥ का॥ वि॥ का॥ न॥ वा॥ म॥ वै॥ श॥ रु॥ य॥ व॥ म॥ गु॥ न॥ म॥ धु॥ ल॥ श॥ रु॥ ना॥ या॥ द॥ का॥ वि॥ का॥
 ना॥ य॥ धू॥ वै॥ वै॥ श॥ रु॥ अ॥ गु॥ न॥ म॥ धु॥ ल॥ श॥ रु॥ या॥ द॥ का॥ वि॥ का॥ न॥ ल॥ ला॥ ट॥ य॥ श्चि॥ म॥ ॥

नैऋत्याशिवमन्त्रसुबूमधुलशीयवायाइका॥ वाक्कमधुलपूर्व॥ नैऋत्याविद्यामन्त्रसु
बूमधुलशीयवायाइका॥ दक्षिण॥ नैऋत्याआरूपा मन्त्रसुबूमधुलशीअयवायाइ
का॥ उत्तर॥ नैऋत्याआरूपकामाययाइका॥ यश्चिम॥ नैऋत्याजयाययाइका॥ आ
ग्ने॥ नैऋत्याविजयाययाइका॥ नमस्त्य॥ नैऋत्याजडिनाययाइका॥ वायव्य॥ नैऋत्या
अयवाजिनाययाइका॥ ईशान॥ वाक्कमधुल॥ नैऋत्याहोमाययाइका॥ पू
र्व॥ नैऋत्यायंशान्ताययाइका॥ दक्षिण॥ नैऋत्यालनिवृत्ताययाइका॥ यश्चि
म॥ नैऋत्यावेदप्रतिष्ठायाइका॥ उत्तर॥ नैऋत्याकुलकेववाययाइका॥ अग्ने
नैऋत्याकुलमीथरेववाययाइका॥ नमस्त्य॥ नैऋत्याकुलधुम्बुरुववाययाइक

वायवा ॥ नैऋती कुलक वा दरे व वायवा दका ॥ ॐ ॥ न ॥ नैऋती कुल आहूत रु व वय
दका ॥ मधुल वि को नाग वा ॥ नैऋती कुल आहूत दे वा दका ॥ वि को न द कि न ॥ वा द
मधुल ॥ नैऋती कुल कौ कौ कौ कौ यालाय वा दका ॥ आ ॥ नैऋती गो गो गू गः ॥ ॐ ॥ कुल म हा ॥
वायवा दका ॥ नमः ॥ नैऋती कुल युग व दका नाथ वा दका ॥ वायवा ॥ नैऋती म
हा का मा वा वा वि द वा दका ॥ ॐ ॥ न ॥ नैऋती हं ॥ आनन्द ग कि रु व वानन्द वा वि द वा
म ॥ नैऋती गो ॥ आनन्द ॥ कि रु व वानन्द वा वि द वा ॥ नैऋती म हा वि द वा वा द ॥ नैऋती गो ॥ न वा
मा ज लि ॥ वा द का ॥ वन्द ना रु न यु य नृ यी ज लि ॥ नैऋती हं ॥ ह द या य ॥ वा द का
॥ वा दि ॥ य रु ग मा वा द ॥ वि शूल या नि मू द द र्श य न ॥ नैऋती अ द्या व ॥ वा द का

धा वृद्धा धा व धा वं न दूँ दूँ सर्वे न सर्वे दूँ दूँ स कौ वृद्ध वृद्ध दूँ दूँ या इ का ॥ नै नै व द क वि
नी नै नै ला क क र्वा नी दा का मा ऊ दा व नी कौ स गी म हा दारु का व नी नै सा स श्री या इ का ॥
नै नै न मा रु ग व नि दूँ क वि का य दा दा दूँ धा व अ धा व अ धा वा म र्वा नूँ नूँ कि नि
वि नै या इ का ॥ आ वा ह न ध नू म दा द गी य नू ॥ नै नै ड क न क य कि नि क न नै नै
श्री दूँ व या य या इ का ॥ नै नै ह ले न वा ल्मा रु हा य का य दूँ द गी व दूँ दूँ २ खा हा ॥ नै
दूँ द व लि गू दूँ २ खा हा ॥ नमः श्री ना था य ॥ नमः श्री सि धि ना था य ॥ नमः श्री कृ ष्ण
ना था य ॥ आ वा ह न ध नू म दा या नि मू दा द गी य नू ॥ नै नै य श्वि म अ नू म ना य ग वृ म
पु ला नै नै स मा य ॥ ॐ ॥ अथ धा टा न्या स क र्मा नै नै का व य नू ॥ अथ ग र्म य व

क्ष मि क र्मा नै नै न मा व रू नू ॥ अथ उ दू द द या दि अ व नी ॥ न्या स का व य नू ॥ ग नि न्या स
न था धा व दा द गी दूँ व दूँ क ॥ मा लि नी ग द वा शि धू म ठ दू नि व नू दूँ अ क ॥ न वा ल्मा
स म धा वा मू धा वा श्वे व नि वि दू या ॥ धा वा क र्वा नि रू धा व नै क रू वी या दू य व का ॥ अ दि
ष दूँ व न्या सा दि धा टा न्या स म दा दू नू ॥ नै नै न्या स वि ना दे वी न दि क र्मा नै नै न रू व नू ॥ क
म ला कू ल दी या अ व र्वा व दू वृ यि का म ह गी वी कौ दू ॥ खा क वा धी नै नै य दू नू ॥
न नै आ श ना दि न्या स का व य नू ॥ नै नै दू दू दू दू व दू म पु ल व दू ॥ अ मा धे म हा धा व
ग ग ना वि षु दू सा ध य दू रू दू व दू स न दू या इ का ॥ ख आ म ॥ ॐ ॥ नै नै श्री श्री
रू धु म पु ल सा ध ना नै ना सि ना दू रू दू ॥ न नै मू ल रू व दू ॥ न्या सः ॥ दू दू म नै नै

वलि॥०॥ नैऋतः अ० अनन्तशक्ति याददय यादका॥ नैऋतः कालयन्त्रि यद् द
य यादका॥ नैऋतः बुद्धयन्त्रि यद् दय यादका॥ नैऋतः अष्टयन्त्रि यद् दय या
दका॥ नैऋतः वामयन्त्रि कठिदय यादका॥ नैऋतः कामयन्त्रि लिङ्ग साधन यादका
॥ नैऋतः यिष्टयन्त्रि मरुत्तु न यादका॥ नैऋतः वृक्षयन्त्रि वृक्ष सुन यादका॥ नैऋ
तः मूत्रयन्त्रि नाश यादका॥ नैऋतः सामयन्त्रि नाश यादका॥ नैऋतः व्यापयन्त्रि
उदन यादका॥ नैऋतः जीवयन्त्रि हृदय यादका॥ नैऋतः विष्टयन्त्रि कण्ठ यादका
नैऋतः बुद्धयन्त्रि मालव यादका॥ नैऋतः सुध्वयन्त्रि शिव सुन यादका॥ नैऋ
तः सदाशिवयन्त्रि सुध्वि सुन यादका॥ ०० निग्रन्त्रि न्यास ॥ ०० देवलि ॥ ० ॥

नैऋतः अथायको हृदयाय नमः॥ नैऋतः अथायको शिव मखाहा॥ नैऋतः अथायको नवकुण्डलि
खाय वावट॥ नैऋतः सर्वकः सर्वसर्वक कवचायट्ट॥ नैऋतः अथायको नवकुण्डलाय वषट्॥ नैऋतः न
रुद्धयत्तु यद् दः अस्तु यद् दः॥ ०० निग्रन्त्रि न्यास ॥ ००॥ नैऋतः अथायको यद् दय याद
का॥ नैऋतः अथायको नृदय यादका॥ नैऋतः अथायको उवृद्धय यादका॥ नैऋतः अथायको
लक्ष्मी शुद्ध यादका॥ नैऋतः अथायको नाश यादका॥ नैऋतः अथायको न्याय हृदय यादका
नैऋतः अथायको कण्ठ यादका॥ नैऋतः अथायको वृक्ष मखाय मख यादका॥ नैऋतः अथायको नाश मखाय
नाश यादका॥ नैऋतः अथायको कठ काय कण्ठ दय यादका॥ नैऋतः अथायको हृदय विष्टय
यादका॥ नैऋतः अथायको शिव सियादका॥ द्वादशाङ्ग न्यास ॥ ०० देवलि ॥ ० ॥

नं० १०० गुह्य शक्ति नासायुहद्वय यादका
नं० १ ववदानीवर्क यादका १
नं० २ कंकटाक्षदंष्ट्राद्वय यादका १
नं० ३ स्वकालिकाथुहद्वय यादका १
नं० ४ गणेशाय अथ दशानयका यादका
नं० ५ घायाथुहद्वय यादका १
नं० ६ दवीनाथ अथ दशानयका यादका १
नं० ७ मायाय जिह्वाय यादका १

नं० ८ अवाणश्वरीयाया यादका १
नं० ९ वशिष्ठिवाहनीकलु यादका १
नं० १० रुक्मीनीदक्षिणवाहू शिखर यादका
नं० ११ यवायुवगायवामवाहू शिखर यादका
नं० १२ उलामाथेदक्षिणवाहू उलु यादका
नं० १३ रुदिनायकाय वामवाहू उलु यादका
नं० १४ ०० यूपुमायकवमलद्वय यादका
नं० १५ रुक्मीकावणीदक्षिणरुक्मीकवागुल

नं० १६ रुक्मिकसुहद्वय यादका १
नं० १७ उमयाजान अथ दशानयका १
नं० १८ उन्नयनीसुहद्वय यादका १
नं० १९ उन्नयनीसुहद्वय यादका १
नं० २० उन्नयनीसुहद्वय यादका १
नं० २१ उन्नयनीसुहद्वय यादका १
नं० २२ उन्नयनीसुहद्वय यादका १
नं० २३ उन्नयनीसुहद्वय यादका १
नं० २४ उन्नयनीसुहद्वय यादका १
नं० २५ उन्नयनीसुहद्वय यादका १

नं० २६ उन्नयनीसुहद्वय यादका १
नं० २७ उन्नयनीसुहद्वय यादका १
नं० २८ उन्नयनीसुहद्वय यादका १
नं० २९ उन्नयनीसुहद्वय यादका १
नं० ३० उन्नयनीसुहद्वय यादका १
नं० ३१ उन्नयनीसुहद्वय यादका १
नं० ३२ उन्नयनीसुहद्वय यादका १
नं० ३३ उन्नयनीसुहद्वय यादका १
नं० ३४ उन्नयनीसुहद्वय यादका १
नं० ३५ उन्नयनीसुहद्वय यादका १

नं ३ कृदनी वामरुक्कवागुल यादका ३
नं ३ वदीयनी गूलदधुदक्षिणरुक्क याद
नं ३ उजय त्याय दक्षिणरुक्क यादका ३
नं ३ ठकयालनी कयाल वामरुक्क यादका
नं ३ ययावनी हृदिमध्य यादका ३
नं ३ रुक्मिकायागधाय यादका ३
नं ३ ससर्वोत्माय दक्षिणयाध्या यादका ३
नं ३ अशक्ताय वामयाध्या यादका ३

नं ३ वृद्धगला दक्षिणरुक्क न यादका ३
नं ३ लयकनाय वामरुक्क न यादका ३
नं ३ आश्रमाद्याय यद्वय यादका ३
नं ३ यलवा दवी डदय यादका ३
नं ३ रुक्मिणा विना रिमध्य यादका ३
नं ३ समहा काल निरुक्क यादका ३
नं ३ सकुममालनी गुक्क यादका ३
नं ३ अशुका दवी गुक्क यादका ३

नं ३ ० लीगुल दक्षिणावर्त यादका ३
नं ३ उजवुक दक्षिण जाना यादका ३
नं ३ रुक्मिणा वीश दक्षिण उध यादका
नं ३ उडमा कान दक्षिण याद यादका ३
नं ३ रुक्मिणा सवामरुक्क यादका ३
नं ३ थडिष्टु वामावर्त यादका ३
नं ३ दयानि सवामजाना यादका ३
नं ३ धमी न वामजंघा यादका ३

नं ३ नमव वामयाद यादका ३
नं ३ यलादि रुक्क दक्षिणयाध्या यादका ३
नं ३ रुक्मिणा सवामयाध्या यादका ३
नं ३ वृद्धगलधु वृद्धवला यादका ३
नं ३ रुक्मिणा विना रिमध्य यादका ३
नं ३ समहा काल हृदिमध्य यादका ३
नं ३ यवाली सखवमध्य यादका ३
नं ३ रुक्मिणा वरुक्क यादका ३

ॐ नमो वादे वा उवद्वय यादुका ॐ
 ॐ नमो नायदक्षिणा ना यादुका ॐ
 ॐ नमो क्रियाय वामजा ना यादुका ॐ
 ॐ नमो उगायत्री दक्षिणा उदय यादुका ॐ
 ॐ नमो शिवाय वाम उदय यादुका ॐ
 ॐ नमो ददहनी दक्षिणा यादुका ॐ
 ॐ नमो रुद्रका वाम यादुका ॐ
 ॐ निमासिनी नमः ॥ ॐ नमो ॥ ॐ ॥

वं १ लयिनाका माश्रयाइका ३
 वं १ वस्रज्ञानंदसनायूमथेयाइका ३
 वं १ शवकानंद अश्लिमथेयाइका ३
 वं १ वस्रज्ञानंदमअयाइका ३
 वं १ सनृगुशुकेयाइका ३
 वं १ हलाकलीयाणाथारंयाइका ३
 वं १ कर्मवर्ककाथयादागुशुगनिमथे
 ०० मिश्रदवासिन्यासा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

नैऋतकालीकालीमहाकालीमाससानिगलजनीकौकौकैरककृष्णमुखीदेवीमामाथ
स्थंडिलसमवशाद्वदययादुका॥१॥नैऋतमारुगवनिडकवामुष्णनीवृधिवर्मासर
कणीकयालयद्वान्धवारणीरुन२दुह२यव२ममशगुगुस२मावय२कै३रुहशाशिवा
दुनीडिअसियादका॥२॥नैऋतद्वैऋतशिशिरादुनीशिरायायादुका॥३॥नैऋत
कालियासिमठिआसर्वपूहविं४५५सर्वहिआदिनीआसिडलस्त्रिआसर्वदु०र
नकिआशीकववदुनीकवयादका॥४॥नैऋतवक२महावकवामुष्णदीजुवनय
त्वाहाशीभगदुनीनकयादका॥५॥नैऋतगुक्कक्रिककैरुहममसर्वीयदवानयमम
दूर्ध्वयुथगादिकावयनवमानकावयिमानकनिशुडुनानसर्वीरुन२दुकाकलावा

यादका॥ लिङ् ॥ नैऋतमारुगवनिहृत्कमलायेकैः सुं रुवनाधिजं औं औं औं आः
वाक्यकिनायमनयदीमिशानंददवयादका॥ युक् ॥ नैऋतिपिशिविचकाकैः सुं नाथ
क० सुं नवाधिहं हं हं हं आह्लाहाकिनाययबीशाअखष्ठीसानंददवयादका॥ नृ
सत्य॥ नैऋयौयौयौयौ सुं ललाटयकनीययक्षणीयबीशीकोलीशा नंददवयादका॥
ललाट॥ उडि वद्वं न्यासः ॥ ० ॥ कभागुवयकिपूडन॥ नैऋनैऋमहाकालाययाद
का॥ नैऋशौशौहं हं हं हं हं यालाययादका॥ नैऋयशास्रयादका॥ पूडना॥ नैऋशीगगनानं
ददवअमिलाम्नादवीवाहल अहहासास्वर्ययादका॥ नैऋशीगरुमुकनंददवरागा
म्वामहनाम्वाखीवाहल अहहासास्वर्ययादका॥ नैऋशीकीजनंददवसमलाम्नादः

वीवाहल अहहासास्वर्ययादका॥ नैऋशीसाकानंददवअहहासास्वर्ययादका॥ नैऋ
शीजनंददवअहहासास्वर्ययादका॥ नैऋशीसरुजानंददवअहहासास्वर्ययादका॥
नैऋशीहीकानंददवअहहासास्वर्ययादका॥ नैऋधनसानंददवअहहासास्वर्ययादका॥
नैऋशीदवानंददवअहहासास्वर्ययादका॥ नैऋयवजानंददवअहहासास्वर्ययादका॥
नैऋशीयवजानंददवअहहासास्वर्ययादका॥ नैऋशीअपरुनंददवअहहासास्वर्ययाद
का॥ नैऋहं ० ॥ नैऋशीगुवयकिरुहावकाययादका॥ रुदवलि॥ आवाहनादि॥ नृपुडा॥
० ॥ नैऋगुवयकिपूडा॥ ० ॥ नैऋयशासाययादका॥ पूडन॥ नैऋशौशीसर्वजनकाहनीयाः
दका॥ नैऋशौशीसर्वजनमाहनीयादका॥ नैऋशौशीसर्वजनज मुनीयादका॥ नैऋशौ

दाशिवनाम्राययाइका॥ॐ॥वृथासाययाइका॥ॐ॥गिहासाययाइका॥ॐ॥सदास
याइका॥ॐ॥सोसाहावक्रियनासाययाइका॥ॐ॥सा॥मूलमंत्रं॥सावाहनस्यवर्नसा
धानसंनिधा॥धर्मशास्त्रकलीकवर्णशा॥ऊ॥याऊमूडादशयन॥**व**नाथाने॥ॐ॥नालयक
नना॥वृत्तनद्वययकसंमि॥न॥द्वि॥व॥व॥व॥द॥शा॥या॥रत्नसर्वाभिवर्धिमः॥वदि॥सति॥सि॥गा
भूय॥क॥गा॥दु॥ष्ट॥मि॥ले॥व॥व॥श॥क॥दा॥वा॥ला॥न॥वा॥या॥स॥का॥श्र॥क॥टि॥सु॥हा॥म्य॥वा॥न॥॥वि॥रु॥ण॥धु॥ल॥व
कै॥व॥॥ऊ॥दाने॥व॥द॥क॥या॥क॥रि॥श॥या॥वि॥जा॥न॥जा॥य॥मा॥ला॥यु॥स॥का॥रु॥य॥कै॥क॥ना॥॥अ॥न्य॥द्वा॥क॥द
य॥सा॥श्र॥क॥व॥मा॥वि॥न॥वि॥श्र॥ह॥द॥वा॥वृ॥न॥स॥म॥॥न॥व॥स॥द॥व॥सं॥मि॥ता॥न॥व॥श॥॥अ॥म॥गा॥द॥क॥गा॥मा॥ला॥
अ॥था॥न॥दं॥क॥मा॥दु॥ष्ट॥गु॥ला॥स॥र्व॥म॥त्वं॥ला॥रु॥व॥का॥त्मा॥या॥क॥या॥रु॥व॥न॥॥व॥या॥ला॥क॥या॥मि॥व॥दाना॥
स॥र्व॥रु॥गा॥रु॥व॥न॥॥न॥श्री॥ला॥रुः॥या॥वि॥जा॥न॥म॥प्र॥सि॥दि॥सु॥जा॥य॥ने॥॥या॥व॥स॥र्व॥रु॥गा॥रु॥व॥न॥॥

त्यरथनिरुथस्यत॥अमनायमिवाधानेसंक्रववक्रवमोपि॥मूकोवललिनादयः॥स
श्रीकूलः॥युगस्यने॥शायकायायदव॥॥यथा॥लि॥म॥न॥स॥म॥क॥॥या॥न॥व॥धु॥सि॥रु॥सु॥व॥स
क॥म॥सं॥निरु॥ड॥वा॥ठ॥धु॥सु॥व॥धु॥श॥वि॥द्व॥ध॥सं॥ध॥व॥क्र॥वि॥श॥॥मा॥ह॥न॥य॥न॥द॥क॥या॥म॥सि॥व॥ग॥न॥म
म॥न॥श॥॥द॥ली॥ल॥निरुः॥स॥र्व॥क॥मा॥ल्य॥व॥न॥व॥श्र॥व॥॥शि॥म॥॥आ॥म॥क्रि॥य॥ध॥यु॥वृ॥धु॥ठि॥क॥स
मिरु॥श॥धि॥क॥गो॥व॥॥गि॥य॥था॥क॥य॥द॥व॥धु॥मु॥क्रा॥रु॥क॥॥वि॥न॥य॥त्य॥व॥म॥॥न॥ना॥व॥कै॥व॥ग॥सा॥ध
न॥॥आ॥नो॥व॥व॥रु॥स्कै॥ध॥सु॥य॥द्रा॥व॥रु॥ड॥थो॥ष्टि॥क॥॥उ॥च्चा॥ठ॥क॥व॥रु॥व॥रु॥मा॥ह॥न॥दि॥य॥वा॥ह॥न
॥म॥या॥व॥रु॥गु॥ज॥द॥व॥म॥क॥म॥व॥च॥क॥मो॥नि॥॥सं॥म्य॥रु॥भ॥न॥व॥सा॥न॥ख॥गै॥व॥मि॥स॥धिरु॥॥नो॥कु॥नी
॥क॥न॥व॥को॥य॥मृ॥दो॥ध॥न॥नि॥मि॥रु॥य॥॥मि॥व॥न॥य॥व॥वि॥द्य॥व॥सि॥हान॥न॥य॥अ॥न॥॥द॥व॥स॥॥

[illegible]

धामहाकिवे। दशकेन वयथा एतान् दत्ता वै वैदिकयन्त्राणि मूलवत् कवद्वारि शुभं
 सान्द्रलिका। दक्षिण वामना दद्यात्तौ लोचनसुता वक्राः। अन्ये शुभपुत्रवदाहं धर्मीयम्
 धनं लुप्ताः॥ कथालं दामदं आर्कं सिंहासनं सज्जनं॥ गन्धयात्रि नवसु लोचनान्याया
 कथा। कवम। वडा सर्वभागना सध्या मकृष्ण कर्षणमिमं॥ शत्रुद्वय विनाशक कलिना
 दिद्युक्तेने। लङ्कालारुडत्यलं वखदागादह मिद्विय॥ यावत्तमय धेनुत्वं दध्ना मास सुडा
 यमायावच्छेदुर्ध्वं वा धर्तुं यस्मिन्नायाधना वश॥ कथालं महासिद्धि वस्तु॥ शुभमदाम
 नाय दद्यात्तनलं मस्या जघन विष्णु वृत्तं॥ हृदय वसनं वृद्धं॥ दवकपु मधु लोचनं
 शिवालनाठस्या शिखरं लुप्या यदि विदुः॥ दं दार्काशया वने गदा वाम दमस्तु॥ स्वः